अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और सद्व्यवहार की सीख दीजिए।

पता –

दिनांक –

प्रिय गोपाल,

शुभाशीर्वाद।

कल ही तुम्हारा पत्र मिला। तुमने बताया कि दादा –दादी दोनों का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। मुझे कल से ही उनकी चिंता हो रही है। मुझे लगता है कि उनकी बीमारी का कारण अकेलापन है। भाई इस उम्र में वरिष्ठ लोग सभी का प्यार चाहते हैं। हमें उन्हें उचित आदर-सम्मान देना चाहिए। उनकी उचित चिकित्सा जाँच करवानी चाहिए। वे स्वयं अस्पताल तक जाने में असमर्थ होते हैं, उन्हें ले जाना हमारा नैतिक कर्तव्य है। हमें उनकी समस्याओं पर उचित देना चाहिए।

प्यारे भाई, वरिष्ठ नागरिकों के पास अपना पर्याप्त अनुभव होता है। हमें उनके अनुभव से मार्गदर्शन लेना चाहिए। हमें उन्हें समाज की गतिविधियों में शामिल करना चाहिए। वरिष्ठ नाग –रिकों को हमें प्रसन्नचित्त रखना चाहिए। उन्हें इस बात का अहसास दिलाना चाहिए कि हम हमेशा उनके साथ हैं। उनके हर दुःख-सुख में उनको सहयोग देने को तैयार हैं। हमें उनकी बहुत आवश्यकता है, उनके बिना हमारा जीवन अधूरा है। उन्हें भी लगे कि वे जब तक जिएँ, शान से जिएँ।

गोपाल, यदि हम अपने दादी-दादी को भरपूर स्नेह करेंगे, उनका पूर्ण सम्मान करेंगे तो उनकी आधी बीमारी दूर हो जाएगी। उनका शीघ्र इलाज करवाना प्रारंभ कर दो, मैं परसों तक दिल्ली पहुँच जाऊँगा। माता जी, बाबू जी को प्रणाम, कमल को ढेर सारा प्यार

तुम्हारा भाई

रोहन

Scanned with CamScanner